लैंटाना इन्वेशन: प्रबंधन, उपयोग और परिदृश्य पुनर्स्थापन हेतु रणनीतियाँ पर दो दिवसीय कार्यशाला (02 – 03 .07.2025)

भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा वनमंडल कार्यालय, रीवा (मध्य प्रदेश) में "लैंटाना इन्वेशन: प्रबंधन, उपयोग और परिदृश्य पुनर्स्थापन हेतु रणनीतियाँ" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसे केम्पा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

कार्यशाला का संचालन डॉ. एच. एस. गिनवाल, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के मार्गदर्शन में किया गया तथा इसका समन्वय श्री नीरज प्रजापति, वैज्ञानिक-सी द्वारा एवं सह-समन्वय श्री मनीष कुमार विजय, वैज्ञानिक-सी द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र में श्रीमती नीलू सिंह, वैज्ञानिक-जी एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा लैंटाना प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि श्री लोकेश निरापुरे, वनमंडलाधिकारी, रीवा ने लैंटाना प्रबंधन में अपने अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण में शामिल बीज उपचार, जैव उर्वरक उत्पादन एवं कीट प्रबंधन जैसे विषयों की सराहना की।

रीवा वनमंडल के लगभग 30 फ्रंटलाइन स्टाफ ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री मनोज जोशी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं परियोजना दल द्वारा किया गया। कार्यशाला ने लैंटाना जैसे आक्रामक पौधों के प्रभावी प्रबंधन एवं सतत पारिस्थितिक पुनर्स्थापन की दिशा में व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रदान कीं।

July 2, 2025

July 2, 2025